एम.आर. मोरारका–जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन

स्टेशन रोड़, नवलगढ़, झुन्झुनू (राजस्थान)

सौर उर्जा चलित लालटेन रोजगार से मिली नई आशा की किरण

सौर उर्जा चलित लालटेन रोजगार कार्यक्रम शेखावाटी क्षेत्र में पिछले तीन वर्षो से मोरारका फाउण्डेशन की सहायता से गांवो में गरीब व शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को रोजगार के अकल्पनीय अवसर सफलता पूर्वक प्रदान कर रहा है तथा गांवों में मिले जनता के रूझान से उत्साहित होकर फाउण्डेशन ने तय किया कि क्षेत्र के अधिकतम जरूरतमंद व्यक्तियों को इस कार्यक्रम के सहारे रोजगार दिया जायेगा।

इसी कड़ी में गांव कोलिड़ा में मोरारका फाउण्डेशन ने गरीब व विकलांग 'मुरारी लाल' जो अपनी बुढ़ी माँ व बेरोजगार भाई के साथ छोटे से घर में गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा था के घर में सौर उर्जा पैनल व अन्य संसाधन लगाये एवं 25 सौर उर्जा से चलित लालटेन प्रदान की है, हमारा उद्देश्य था कि 'मुरारी लाल' इनके व्यावसायिक उपयोग से रोजगार पाये जैसे कि वो उन्हे शादीयों, समारोहों में, जिन ग्रामीणों के पास बिजली कनेक्शन नहीं है उन्हे दैनिक रोशनी की पूर्ति हेतु, बिजली कटौती के समय, परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थीयों को, खेत में रात की पारी में कार्य करने वाले किसानों आदि को एक तय किराये पर देकर आय अर्जित करे। इसके प्रचार हेतु हमने ना केवल केन्द्र पर पूरी सूचनाएं लिखवा रहे है बल्कि पम्फलेट भी छपवा कर दे रहे है जिन्हे वो आस–पास के गांवो में बँटवाये। 'मुरारी लाल' को इसके उपयोग एवं इनसे आय अर्जित करने के तरीके भी समझाये तो आमजन को इस अभियान से जोड़ कर सौर उर्जा के प्रयोग के प्रति जागरूक भी किया। फाउण्डेशन का हमेशा से ही यह उद्देश्य रहा है कि गांवों में रोजगार के कम प्रचारित अवसरों को सुगम बनाकर ग्रामीणों को मुहैया करवायें। सौर उर्जा के इस्तेमाल द्वारा रोजगार भी इसी श्रृंखला की एक अन्य कड़ी के रूप में हमने लागू किया।

लाभान्वित 'मुरारी लाल' का कहना था कि पहले मैं जब ड्राईवर की नौकरी करता था तो मेरे परिवार के लोगो के चहरे पर हमेशा खुशी रहती थी मगर आज से 8 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना के हादसे में मेरा एक पैर अपंग होने के साथ ही मैं मेरा रोजगार भी खो बैठा और उस समय से मेरे जीवन को निराशाओं ने घेर लिया मगर फाउण्डेशन के कार्यकर्ता ने मुझे इस रोजगार के बारे में समझाया तो मेरी मरणासन्न आशाएं फिर युवा हो गई और मैं इस रोजगार को शीघ्र शुरू करने के लिए आतुर हो गया। मोरारका फाउण्डेशन ने मुझे ना केवल रोजगार बल्कि मेरे अन्धकारमय जीवन में एक नई आशा की किरण प्रदान कि है अब में सूरज की उर्जा के उपयोग के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाकर क्षेत्र के लोगों को जागरूक करूंगा और मेरे रोजगार से जोडूंगा।

कार्यक्रम समन्यवयक
मोरारका फाउण्डेशन